115 PU Ph D Hindi

1 of 100
177 PU_2016_115_E

नंद चतुर्वेदी की कृति 'जो बचा रह गया' किन रचनाओं का संकलन है -

- कविताओं का
- निबंधों का
- कहानियों को
- संस्मरणों का

2 of 100
133 PU_2016_115_E

साहित्य अध्ययन की कौनसी दृष्टि अनुभववादी धारा से संबद्ध है -

- विधेयवादी दृष्टि
- आलोचनात्मक समाजशास्त्री
- मार्क्सवादी
- संरचनावादी

3 of 100
129 PU_2016_115_E

आप इनमें से किसे साहित्य का दारोगा कहेंगे -

- आलोचक
- लेखक
- पाठक
- प्रकाशक

4 of 100
210 PU_2016_115_E

नवयुवकों के चित्त पर किनके कुछ उपन्यासों का बुरा प्रभाव पड़ने की शिकायत की गई है -

- पं. लज्जाराम मेहता
- किशोरीलाल गोस्वामी
- बाबू देवकीनंदन खत्री
- पं. अयोध्यासिंह उपाध्याय

5 of 100
150 PU_2016_115_E

काव्यशास्त्रीय ध्वनी के अंतर्गत निम्न में से कौनसा तत्व आता है -

- व्यंग्यार्थ
- व्यंजक शब्द
- व्यंजक अर्थ
- व्यंजना शब्द शक्ति

6 of 100

113 PU_2016_115_E

'उपन्यास और जनसमूह' के लेखक हैं -

- संजीव कुमार
- नामवर सिंह
- निर्मला जैन
- रैल्फ फ़ॉक्स

7 of 100

203 PU_2016_115_E

'भारतेंदु' नाम का पत्र कौन निकालते थे -

- पं. राधाचरण गोस्वामी
- काशीनाथ खत्री
- बाबू तोताराम
- पं. अंबिकादत्त व्यास

8 of 100

178 PU_2016_115_E

'नदी' उपन्यास किसका है -

- उषा प्रियंवदा
- जितेन ठाकुर
- सुभाष चंद्र कुशवाहा
- सूरजपाल चौहान

9 of 100

146 PU_2016_115_E

जीवनेच्छा को काव्य सृजन की मूल प्रेरणा बताने वाले हैं -

- फ्रायड

- एडलर
- जुंग
- कॉलरिल

10 of 100

105 PU_2016_115_E

'मेरे मर जाने के बाद/जब लिखा जाए कहीं कि मैं हिंदू /तो लिखा जाय साफ-साफ कि, मैं शर्मिंदा था'- किसकी प

- मलखान सिंह की
- राजेश जोशी की
- ओमप्रकाश वाल्मीकि की
- सूरजाल चौहान

11 of 100

145 PU_2016_115_E

कवि को विक्षिप्त प्राणी किसने माना है -

- लोंजाइनस ने
- प्लेटो ने
- अरस्तू ने
- क्रौंचे ने

12 of 100

191 PU_2016_115_E

निम्न में से कौनसी कृति रोहिणी अग्रवाल की कलम से नहीं निकली है -

- घने बरगद तले
- लाग चेत कुछ करौ उपाई
- साहित्य का स्त्री स्वर
- साहित्य की जमीन और स्त्री मन के उच्छवास

13 of 100

153 PU_2016_115_E

रसादि ध्वनी का दूसरा नाम क्या है -

- अगूढ़ व्यंग्य
- असंलक्ष्यक्रम व्यंग्य ध्वनि
- अपरांग व्यंग्य
- अस्फुट व्यंग्य

14 of 100
215 PU_2016_115_E
महावीर प्रसाद द्विवेदी ने 'सरगौ नरक ठेकाना नाहिं' शीर्षक से जो आल्हा लिखा था, वह अपने किस समकालीन रचनाकार को लक्ष्य करके उन्होंने लिखा था -

- बाबू बालमुकुंद गुप्त को
- भारतेंदु हरिश्चंद्र को
- चंद्रधर शर्मा गुलेरी को
- पं. गोविंदप्रसाद मिश्र को

15 of 100
170 PU_2016_115_E
चमत्कार तत्व के प्रतिपादक थे -

- रूय्यक
- विश्वेश्वर कविचंद्र
- वाग्भट
- भानुमिश्र

16 of 100
186 PU_2016_115_E
'लकीर कहीं एक खींचनी होगी' के कवि हैं -

- राजेश जोशी
- रंजीत वर्मा
- दिनेश कुशवाह
- अशोक वाजपेयी

17 of 100
149 PU_2016_115_E
निम्न में से कौनसा स्थायी भाव विवादास्पद रहा है -

- रति
- शोक
- हास्य
- निर्वेद

18 of 100
158 PU_2016_115_E

वक्रोक्ति सिद्धांत के प्रतिपादक थे -

- उद्भट
- दंडी
- भामह
- कुंतक

19 of 100

165 PU_2016_115_E

चित्त के आर्द्र होने को कहते हैं -

- द्रुति
- दीप्ति
- व्याप्ति
- क्रांति

20 of 100

126 PU_2016_115_E

'संतन को कहां सीकरी सो काम' - यह पंक्ति किसकी है -

- कुंभनदास
- चतुर्भुजदास
- सूरदास
- नरहरिदास

21 of 100

136 PU_2016_115_E

कला को एक सामाजिक उत्पाद के रूप में कौन नहीं देखते -

- पाब्लो नेरूदा
- मायकोवस्की
- वाल्टर बेंजामिन
- टी.एस.एलियट

22 of 100

207 PU_2016_115_E

निम्न में से कौनसा जीवन चरित्र बाबू शिवनंदन सहाय द्वारा रचित नहीं है -

- विशुद्ध चरितावली
- हरिश्चंद्र का जीवनचरित

- .गोस्वामी तुलसीदास जी का जीवनचरित
- चैतन्य महाप्रभु का जीवनचरित

23 of 100

101 PU_2016_115_E

'अछूत का बेटा' रचना किस विधा के अंतर्गत आती है ?

- उपन्यास
- कहानी
- कविता
- आलोचना

24 of 100

199 PU_2016_115_E

'सबलोग' मासिक पत्रिका के संपादक हैं -

- नीलाभ
- किशन कालजयी
- संजय सहाय
- विभूति नारायण राय

25 of 100

219 PU_2016_115_E

परिस्थिति की मार्मिकता को व्याख्या द्वारा हृदयंगम कराने की कवायद जिस कहानी में है -

- उसने कहा था
- बूढ़ी काकी
- पेंसिल स्केच
- निंदिया लागी

26 of 100

181 PU_2016_115_E

'सूखते चिनार' के रचनाकार हैं -

- मधु कांकरिया
- शम्सुर्रहमान फारूकी
- सूर्यनाथ सिंह

- रंजना श्रीवास्तव

27 of 100
182 PU_2016_115_E
'तीन सौ रामायणें और अन्य निबंध' पुस्तक के संपादक हैं -

- रोमिला थापर
- संजीव कुमार
- रामानुजन
- चंचल चौहान

28 of 100
125 PU_2016_115_E
साहित्यिक कल्पना से समाजशस्त्रीय कल्पना के संबंध पर बात करने वाले हैं -

- सी. राइट मिल्स
- रिचर्ड होगार्ड
- बाली बार
- पिरे मिशेरी

29 of 100
100 PU_2016_115_E
'मनुजी तैने वर्ण बनाए चार/जा दिन तूने वर्ण बनाए, न्यारे रंग बनाए क्यों न ?' इन पंक्तियों के रचनाकार हैं -

- शंकरानंद
- कंवल भारती
- स्वामी दयानंद सरस्वती
- अछूतानंद

30 of 100
161 PU_2016_115_E
अनुभाव के कितने प्रकार माने गये हैं -

- 3
- 4
- 5
- 6

31 of 100
166 PU_2016_115_E

व्याकरण असम्मत शब्दों का प्रयोग करने पर कौनसा दोष माना जाता है -

- श्रुतिकटु
- क्लिष्टता
- च्युतसंस्कृति
- अप्रस्तुत

32 of 100

130 PU_2016_115_E

रोलां बार्थ किसकी मृत्यु की घोषणा करते हैं -

- इतिहास की
- पाठक की
- लेखक की
- आलोचक की

33 of 100

206 PU_2016_115_E

'चंद्रकला भानुकुमार' जैसी बड़े डीलडौल का नाटक लिखने वाले थे -

- पं. पद्मसिंह शर्मा
- बाबू राधाकृष्ण दास
- राय देवीप्रसाद पूर्ण
- पं. माधवप्रसाद मिश्र

34 of 100

169 PU_2016_115_E

निम्न में से महाकाव्य कौनसा है -

- साकेत
- पंचवटी
- भिक्षाटन
- आर्याविलास

35 of 100

218 PU_2016_115_E

निम्न में से कौनसा कहानीकार शेष कहानीकारों की श्रेणी का नहीं है -

- जी.पी. श्रीवास्तव
- श्री अन्नपूर्णानंद
- कांतानाथ पांडेय 'चोंच'
- जैनेंद्र कुमार

36 of 100

202 PU_2016_115_E

कौनसी रचना को रामचंद्र शुक्ल हिंदी भाषा की रचना नहीं मानते -

- मानवधर्मसार
- राजा भोज का सपना
- इतिहासतिमिरनाशक
- गुटका प्रथम

37 of 100

141 PU_2016_115_E

निम्न में से कौनसी पुस्तक ग्लैडसन डुंगडुंग की नहीं है -

- क्रॉसफायर
- विकास के कब्रगाह
- उलगुलान का सौदा
- सेलेद

38 of 100

117 PU_2016_115_E

समाज में साहित्य की वास्तविक स्थिति पहचानने वाली धारा है -

- साहित्यिक समाजशास्त्र
- साहित्य का समाजशास्त्र
- समाजशास्त्रीय आलोचना
- मीमांसापरक धारा

39 of 100

142 PU_2016_115_E

विश्वनाथ कृत काव्यशास्त्रीय ग्रंथ है -

- काव्यादर्श
- ध्वन्यालोक
- साहित्यदर्पण

- रसगंगाधर

40 of 100

109 PU_2016_115_E

निम्न में से कौनसे साहित्यकार वामपंथी विचार धारा से भी संबद्ध हैं -

- गंगाधर पानतावणे
- राजा ढाले
- बालासाहेब गायकवाड़
- दया पवार

41 of 100

120 PU_2016_115_E

रेमंड विलियम्य साहित्य के किस समाजशास्त्र से संबद्ध आलोचक और चिंतक हैं -

- विधेयवादी समाजशास्त्र
- संरचनावादी समाजशास्त्र
- संरचनात्मक कार्यात्मक समाजशास्त्र
- मार्क्सवादी समाजशास्त्र

42 of 100

174 PU_2016_115_E

व्यापक अर्थ में अलंकारों को उक्ति वैचित्र्य का पर्याय कौन मानते हैं -

- आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- डॉ.नगेंद्र
- बाबू गुलाबराय

43 of 100

194 PU_2016_115_E

'चिरकुट' के रचनाकार हैं -

- हितेंद्र पटेल
- सूरज प्रकाश
- प्रांजल धर
- असग़र वजाहत

44 of 100
185 PU_2016_115_E

'हिंदुत्व का मोहिनी मंत्र' के रचनाकार हैं -

- डॉ. नरेंद्र दाभोलकर
- संजीव खुदशाह
- बद्री नारायण
- रामशरण जोशी

45 of 100
121 PU_2016_115_E

'साहित्य को ज्ञानराशि का संचित कोश' बतानेवाले हैं -

- बालकृष्ण भट्ट
- महावीर प्रसाद द्विवेदी
- रामचंद्र शुक्ल
- डॉ. नगेंद्र

46 of 100
116 PU_2016_115_E

अभी हाल में 'तद्भव' पत्रिका में छपी शिवमूर्ति जी की रचना है -

- कुच्ची का कानून
- त्रिशूल
- तर्पण
- बनाना रिपब्लिक

47 of 100
134 PU_2016_115_E

साहित्य की सामाजिकता का विरोध निम्न में से किस दृष्टि में नहीं किया जाता -

- भाववावादी दृश्टि
- संरचनावादी दृष्टि
- मनोवैज्ञानिक दृष्टि
- भारतीय काव्यशास्त्रीय दृष्टि

48 of 100
198 PU_2016_115_E

'छप्पर' है ?

- उपन्यास
- कहानी
- आत्मकथा
- निबंध

49 of 100

112 PU_2016_115_E

महात्मा फुले की 'गुलामगिरी' पुस्तक किन्हें समर्पित हैं -

- सावित्री बाई को
- नीग्रो को
- शंबूक को
- नामदेव को

50 of 100

189 PU_2016_115_E

किसानों की आत्महत्या पर अभी हाल में आया उपन्यास है -

- गांव भीतर गांव
- पीले रूमालों की रात
- फांस
- कितने कठघरे

51 of 100

138 PU_2016_115_E

'साहित्य के अधिकांश समाजशास्त्री विचारों के संघर्ष के संदर्भ में मार्क्सवादी बने रहते हैं, लेकिन वर्ग संघर्ष का सं ही समाजशास्त्री हो जाते हैं।' - यह निष्कर्ष किसका है ?

- रामविलास शर्मा
- मैनेजर पांडेय
- निर्मला जैन
- चौथीराम यादव

52 of 100

195 PU_2016_115_E

कर्मेंदु शिशिर का स्तंभ भारतीय मुसलिम नवजागरण आजकल किस पत्रिका में नियमित छप रहा है -

- परिकथा
- वर्तमान साहित्य
- हंस
- वसुधा

53 of 100

104 PU_2016_115_E

मराठी दलित साहित्य से पहली बार हिंदी पट्टी की मुठभेड़ किस हिंदी पत्रिका ने करायी थी ?

- सारिका
- संचेतना
- युद्धरत आम आदमी
- हंस

54 of 100

162 PU_2016_115_E

काव्यानुभूति को ऐन्द्रिय अनुभूति और बौद्धिक अनुभूति के मध्य की अनुभूति बताने वाले हैं -

- डॉ. रामविलास शर्मा
- शिवकुमार मिश्र
- डॉ. नगेंद्र
- निर्मल कुमार

55 of 100

216 PU_2016_115_E

देव को हिंदी के सबसे बड़े कवि का दर्ज़ा देने वाले थे -

- पं. कृष्णबिहारी मिश्र
- लाला भगवानदीन
- मिश्रबंधु
- पं. पद्मसिंह शर्मा

56 of 100

211 PU_2016_115_E

'पंडित और पंडितानी' कहानी के रचनाकार थे -

- मास्टर भगवानदास

- विश्वंभरनाथ शर्मा 'कौशिक'
- गिरिजादत्त वाजपेयी
- चतुरसेन शास्त्री

57 of 100
173 PU_2016_115_E

'जदपि सुजाति सुलक्षनी सुबरन सरस सुवृत्त। भूषण बिनु न बिराजहीं कविता वनिता मित्त।' - किसकी पंक्ति है ?

- बिहारी
- देव
- मतिराम
- केशव

58 of 100
108 PU_2016_115_E

'गोलपीठा' शीर्षक कविता संकलन के लिए चर्चित कवि हैं -

- जयप्रकाश कर्दम
- नामदेव ढसाल
- राजा ढाले
- तुलसीराम

59 of 100
157 PU_2016_115_E

'सिखा दो ना हे मधुपकुमारि!/मुझे भी अपने मीठे गान।' यहां कौनसी वक्रता है -

- वृत्ति वक्रता
- संख्या वक्रता
- कारक वक्रता
- लिंग वक्रता

60 of 100
154 PU_2016_115_E

'कंस दलन को दौर उत, इत राधा हित जोर। चलि रहि सकै न स्याम चित्त, ऐंचि लगी दुहुं ओर।।' यह किसकी रच

- आलम
- बिहारी

- देव
- भिखारीदास

61 of 100
250 PU_2016_115_M
'नींद के बादल' काव्य रचना किसकी है -

- केदारनाथ अग्रवाल
- गोपालसिंह नेपाली
- शंभुनाथ सिंह
- त्रिलोचन

62 of 100
237 PU_2016_115_M
'ऐसी आरती त्रिभुवन तारै, तेज पुंज तहां प्रान उतारै। पाती पंच पहुप करि पूजा, देव निरंजन और न दूजा।' - यह किनकी मानी जाती है -

- रैदास की
- सूरदास की
- तुलसी की
- कबीर की

63 of 100
220 PU_2016_115_M
'द्रुत झरो जगत् के जीर्ण पत्र! हे त्रस्त, ध्वस्त! हे शुष्क, शीर्ण! / हिम ताप पीत, मधु वात भीत, तुम वीतराग, जड़ काव्य पंक्ति किसकी है -

- सुमित्रानंदन पंत की
- त्रिलोचन की
- नागार्जुन की
- निराला की

64 of 100
236 PU_2016_115_M
भारतीय सूफी संप्रदाय के अंतर्गत नहीं आते -

- शरा
- चिश्ती

- कादिरी
- सुहरवर्दी

65 of 100

240 PU_2016_115_M

'पद्मावत' का रत्नसेन किसका प्रतीक है -

- साधक के मन का
- सात्विक ज्ञान का
- शरीर सुख का
- परमात्मा का

66 of 100

224 PU_2016_115_M

'कहां हो ऐ हमारे राम प्यारे। किधर तुम छोड़कर हमको सिधारे।। बुढ़ापे में यह दु:ख भी देखना था। इसी को देखने बचा था।।' - ये काव्य पंक्तियाँ जिनकी हैं ··

- पं. अंबिकादत्त व्यास
- ठाकुर जगमोहन सिंह
- पं. प्रताप नारायण मिश्र
- भारतेंदु हरिश्चंद्र

67 of 100

256 PU_2016_115_M

वर्तमान जनजीवन में सौंदर्य देखने वाली कविता है -

- नयी कविता
- प्रयोगवादी
- छायावादी
- प्रगतिवादी

68 of 100

225 PU_2016_115_M

निम्न में से कौनसी बोली खड़ी पश्चिमी हिंदी में नहीं आती -

- अवधी
- बुंदेली

- कन्नौजी
- कौरवी

69 of 100

253 PU_2016_115_M

व्यक्तिवादी गीति कविता की प्रवृत्ति नहीं है -

- रोमानी दृष्टि
- आत्मसंपृति
- सौंदर्यजन्य उल्लास
- रहस्यात्मकता

70 of 100

244 PU_2016_115_M

निम्न में से कौनसी रचना बौद्ध रामकथा नहीं है -

- राघवोल्लास
- दशरथजातक
- दशरथकथानक
- अनार्मकजातक

71 of 100

232 PU_2016_115_M

निम्न में से अपभ्रंश के प्रभाव से मुक्त हिंदी की रचना है -

- भरतेश्वर बाहुबलीरास
- चंदनबालारास
- श्रावकाचार
- वर्णरत्नाकर

72 of 100

257 PU_2016_115_M

'आज नदी बिल्कुल उदास थी/सोयी थी अपने पानी में, /उसके दर्पण पर / उसके बादल का वस्त्र पड़ा था' - किस
कविता है -

- रामविलास शर्मा
- केदारनाथ अग्रवाल
- रांगेय राघव

- नागार्जुन

73 of 100

228 PU_2016_115_M

शिवसिंह सेंगर का इतिहास ग्रंथ 'शिवसिंह सरोज' कब आया था -

- 1839 ई. में
- 1888 ई. में
- 1883 ई. में
- 1847ई. में

74 of 100

249 PU_2016_115_M

'रणमल्लछंद' के रचनाकार हैं -

- नल्लसिंह
- कवि श्रीधर
- दुरसा जी आढ़ा
- दयाराम

75 of 100

229 PU_2016_115_M

'राजस्थानी भाषा और साहित्य' के रचनाकार हैं -

- श्री परशुराम चतुर्वेदी
- डॉ. मोतीलाल मेनारिया
- डॉ. टीकम सिंह तोमर
- डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

76 of 100

246 PU_2016_115_M

संस्कृत काव्यों में कृष्ण लीलाओं का सर्वप्रथम उल्लेख यहां मिलता है -

- गाहासतसई
- ब्रह्मचरित
- वेणीसंहार
- द्वाश्रय काव्य

77 of 100

221 PU_2016_115_M

फैशनवालों पर कही गई पंक्ति 'ईश गिरिजा को छोड़ि ईशु गिरिजा में जाय' जिसकी कलम से निकली थी -

- गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'
- पं. रामनरेश त्रिपाठी
- पं. नाथूराम शंकर 'शर्मा'
- रूपनारायण पांडेय

78 of 100
233 PU_2016_115_M

'क्राआ तरूवर पंच विडाल, चंचल चीए पइठो काल। दिट करिअ महासुह परिमाण, लुइ मरमइ गुरू पूच्छि अजाण।।' पंक्ति रचने वाले हैं -

- लुइपा
- शबरपा
- डोम्भिपा
- कण्हपा

79 of 100
254 PU_2016_115_M

'जो बीत गयी सो बीत गयी' - गीत जिनका है -

- हरिवंशराय बच्चन
- नरेंद्र शर्मा
- रामेश्वर शुक्ल अंचल
- भगवतीचरण वर्मा

80 of 100
241 PU_2016_115_M

निम्न में से कौनसे प्रेमाख्यान को शुद्ध रोमांस नहीं कहा जा सकता -

- सत्यवतीकथा
- पद्मावत
- मधुमालती
- ढोला मारू रा दूहा

81 of 100
289 PU_2016_115_D

'छत्रसालदशक' किसकी रचना है -

- हिम्मत बहादुर की
- जोधराज की
- भूषण की
- बोधा की

82 of 100

282 PU_2016_115_D

'भावविलास' रचना के लिए किन्हें जाना जाता है -

- देव
- आलम
- बोधा
- ठाकुर

83 of 100

273 PU_2016_115_D

'अंधा युग' का प्रकाशन वर्ष था -

- 1959
- 1955
- 1962
- 1971

84 of 100

269 PU_2016_115_D

'चौथा सप्तक' का कवि नहीं है -

- विजयदेव नारायण साही
- राजकुमार कुम्भज
- स्वदेश भारती
- नंदकिशोर आचार्य

85 of 100

281 PU_2016_115_D

निम्न में से किस पर सूफी काव्य का प्रभाव था -

- भूषण
- देव

- रसखान
- घनानंद

86 of 100

264 PU_2016_115_D

नयी कविता का मुख्य स्वर नहीं है -

- यातनाबोध
- अस्वीकृति का स्वर
- मोहभंग
- विद्रोह का उभार

87 of 100

278 PU_2016_115_D

मुस्लिम समाज में स्त्री की यातनाग्रस्त स्थिति को सामने लाने वाला उपन्यास है -

- चित्तकोबरा
- ठीकरे की मंगनी
- कठगुलाब
- अनारो

88 of 100

285 PU_2016_115_D

प्रेम की पीर का कवि किसे माना जाता है -

- देव
- घनानंद
- बोधा
- आलम

89 of 100

294 PU_2016_115_D

बिहारी किस संप्रदाय में दीक्षित थे -

- निम्बार्क संप्रदाय
- रामानुज संप्रदाय
- श्री संप्रदाय
- बल्लभ संप्रदाय

90 of 100
274 PU_2016_115_D
रचनाकार और राजसत्ता के द्वंद्व को दर्शाने वाला नाटक है -

- मादा कैक्टस
- आधे-अधूरे
- लहरों के राजहंस
- आषाढ़ का एक दिन

91 of 100
261 PU_2016_115_D
'संवेदना के साथ सजग बौद्धिकता' के लिए जाने जाते हैं -

- निराला
- अज्ञेय
- मुक्तिबोध
- त्रिलोचन

92 of 100
293 PU_2016_115_D
रहीम के साथ किसकी मित्रता थी -

- रसनिधि की
- बिहारी की
- श्रीधर की
- लाल कवि की

93 of 100
286 PU_2016_115_D
अपनी कविता को राधा-कृष्ण के स्मरण का बहाना बताने वाले थे -

- मतिराम
- देव
- केशव
- गोविंद सिंह

94 of 100
277 PU_2016_115_D
'सांप और सीढ़ी' उपन्यास के लेखक -

- गुलशेर खां शानी
- राही मासूम रजा
- अमरकांत
- जगदीश चंद्र

95 of 100

270 PU_2016_115_D

'सात भाइयों के बीच चंपा' की रचनाकार हैं -

- अनामिका
- कात्यायनी
- प्रभा खेतान
- मन्नू भंडारी

96 of 100

290 PU_2016_115_D

'लाखिया' कवित्त के रचनाकार हैं -

- बिहारी
- भूषण
- पद्माकर
- देव

97 of 100

265 PU_2016_115_D

'लकड़बग्घा हंस रहा है' के कवि हैं -

- कुंवर नारायण
- राजेश जोशी
- चंद्रकांत देवताले
- केदारनाथ सिंह

98 of 100

298 PU_2016_115_D

'बरवै नायिका भेद' किसकी रचना है -

- रहीम की
- बनवारी की

- श्रीपति की
- बेनी बंदीजन की

99 of 100

260 PU_2016_115_D

निम्न में से प्रगतिवादी कविता की विशेषता है -

- लोकधर्मिता
- अनास्था
- व्यक्तिवादी कुंठा
- मरणधर्मिता

100 of 100

297 PU_2016_115_D

किसकी कविता एकालाप मानी जाती है -

- मतिराम
- देव
- बिहारी
- घनानंद